इन्दौर समाचार के
पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

इन्दौर समाचार

वर्ष 87
अंक-159, इन्दौर
शुक्रवार 28 अगस्त 2026
पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

तिब्बत में लैंडस्लाइड से नेपाल में आई बाढ़, 360 मौतें

28 देशों के 500 विदेशी लापता; 300 भारतीयों की तलाश जारी

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ में 210 लोगों की मौत हो गई। इनमें नेपाल में 360 से अधिक और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई है। करीब 1,500 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल में 900 से ज्यादा लोग लापता हैं। इसमें 28 देशों के करीब 500 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के मुताबिक लापता लोगों में 300 से ज्यादा भारतीय हैं। खराब मौसम और टूटे रास्तों के बीच लोगों की तलाशी जारी है। नेपाली सेना ने रसुवा के टिमुरे से आज सुबह 116 लोगों को सुरक्षित निकाला है। इनमें 95 नेपाली और 21 भारतीय हैं। वहीं, तिब्बत में 550 से ज्यादा लोगों का सुराग नहीं मिल रहा है। चीन की सरकारी वेबसाइट छ्ष्टञ्जङ्क ने इसकी जानकारी दी है।

लैंडस्लाइड से 5.2 तीव्रता के भूकंप जितना झटका

सुबह 8:37 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास तेज झटके महसूस किए गए। शुरुआत में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस्) ने इसे 4.4 तीव्रता का भूकंप बताया था। लेकिन बाद में पता चला कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिरा था। ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी नदी की सहायक नदी है। भोटेकोशी चीन से निकलकर नेपाल में प्रवेश करती है।

नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के 80 लोगों के लिए हेल्पलाइन शुरू

नेपाल में आई बाढ़ के बाद महाराष्ट्र के करीब 80 लोग अब भी फंसे हुए हैं। उन्हें तलाशने और सुरक्षित वापस लाने के लिए राज्य सरकार ने 24 घंटे चलने वाला हेल्पलाइन सेंटर शुरू किया है। मंत्री गिरीश महाजन के मुताबिक, जलगांव के 4 लोगों से संपर्क हो चुका है और उनके साथ मौजूद 37 से ज्यादा लोग भी सुरक्षित हैं। बाकी लोगों से संपर्क की कोशिश जारी है। बाढ़ में पुणे के 4 लोग भी लापता बताए जा रहे हैं, जो कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। सरकार ने परिवारों से अपने लापता परिजनों की जानकारी हेल्पलाइन या ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराने की अपील की है।

NDRF की टीमें तैयार, आदेश मिलते ही रवाना होंगी

नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद NDRF की टीमें स्टैंडबाय पर रखी गई हैं। NDRF के IG नरेंद्र सिंह बुंदेला ने बताया कि फिलहाल भारत की कोई NDRF टीम नेपाल नहीं भेजी गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर टीमें तुरंत रवाना होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर नेपाल सरकार की ओर से मदद का अनुरोध आता है और भारत सरकार इसकी मंजूरी देती है, तो NDRF की टीमों को नेपाल भेजा जाएगा। बुंदेला ने बताया कि भारत सरकार ने नेपाल के लिए मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री लेकर दो विमान भेजे हैं। इनमें जरूरी दवाइयां और राहत सामग्री शामिल हैं।

जग्गी वासुदेव ने ग्यिरोंग जाने की मांगी अनुमति

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद कई लोग अब भी लापता हैं। इस बीच आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव ने अधिकारियों से उन्हें और कुछ स्वयंसेवकों को तिब्बत के ग्यिरोंग इलाके में जाने की अनुमति देने की अपील की है। सद्गुरु के मुताबिक, उनके समूह के 80 लोगों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। वह लापता लोगों के बारे में जानकारी जुटाने और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए ग्यिरोंग जाना चाहते हैं।

मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं, लेकिन अभी जीवित हैं

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर कहा है कि मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं, लेकिन अभी जीवित हैं। साथ ही, उन्होंने ईरान के साथ चल रहे युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कही।

एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उनकी मौत हुई है। वह बहुत गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने कहा कि उनके शरीर का बायां हिस्सा, हाथ, पैर, सब कुछ

बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ट्रंप ने खामेनेई की स्थिति को लेकर अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारी अभी भी सर्वोच्च नेता से सलाह लेने की बात करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि अगर वह नहीं हैं, तो फिर वे बहुत अच्छा दिखावा कर रहे हैं, क्योंकि वे लगातार कहते हैं कि वे उनसे बात करने जा रहे हैं और कई मामलों पर उनकी अंतिम मंजूरी ले रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी बलों ने नाकाबंदी से जुड़ी कार्रवाई के दौरान एक रात में 22 नौकाओं को नष्ट कर दिया है। नाकाबंदी के दौरान लोग अंदर आने की कोशिश कर रहे थे। हमारी नौसेना ने शानदार काम किया है। ट्रंप ने विश्वास जताया कि यह सैन्य अभियान जल्द ही एक बड़ी जीत में बदल जाएगा।

जबलपुर में डूबे पिता-पुत्र, निवाड़ी में बही मासूम

भोपाल। मध्यप्रदेश के कई जिलों में बुधवार को बारिश का दौर जारी रहा। जबलपुर के भड़पुरा घाट में महाराष्ट्र से आए पिता-पुत्र पानी में डूब गए। नर्मदा नदी में स्नान करने के दौरान गहराई में समा गए। वहीं, निवाड़ी में तेज बारिश के बाद उफनते नाले में 8 साल की बच्ची बह गई। निवाड़ी में थाने में पानी घुस गया। इसके साथ ही, अनूपपुर के अमरकंटक में गायत्री सरोवर में 10 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। छतरपुर के जयशंकर धाम में बारिश के बाद झरने में उफान देखने को मिला, जबकि भोपाल के कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया। मध्यप्रदेश में इस मानसूनी सीजन में अब तक औसतन 25.5 इंच बारिश हो चुकी है।

अमेरिका पर मंडरा रहा है नेपाल जैसी तबाही का खतरा

33 लाख लोगों के सिर पर संकट की आहट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नेपाल में आए फ्लैश फ्लड ने जिस तरह अचानक और विनाशकारी तबाही मचाई, उसी तरह की एक बड़ी तबाही पर अमेरिका भी बैठा है।

नेपाल की इस त्रासदी के बाद अमेरिका के एक बेहद खतरनाक ज्वालामुखी को लेकर पुरानी चेतावनियां फिर से चर्चा में आ गई हैं। वॉशिंगटन राज्य में मौजूद माउंट रेनियर नामक ज्वालामुखी सिर्फ फटने पर ही खतरा नहीं बनता, बल्कि इसकी बर्फ से ढकी विशाल ढलानों पर भूस्खलन, ग्लेशियर पिघलने, तेज बारिश या एक छोटा भूकंप भी ऐसी विनाशकारी बाढ़ पैदा कर सकता है, जिसे लहार कहा जाता है। ये लहार पानी, मिट्टी, चट्टान और मलबे को अपने साथ बहाते हुए कुछ ही मिनटों में रास्ते में आने वाली हर चीज़ को तबाह करने की क्षमता रखते हैं। सबसे बड़ी चिंता इसलिए है क्योंकि सिएटल-टकोमा मेट्रो क्षेत्र में 33 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं, जबकि 60 हजार से ज्यादा लोग सीधे उस इलाके में हैं, जिसे माउंट रेनियर से आने वाले लहार का सीधा खतरा माना जाता है।

बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर, 7 की मौत

चेन्नई (एजेंसी)।

आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में गुरुवार को एक बस ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा चिलकलूरिपेट मंडल के अड्डा रोड के पास हुआ। बस विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही थी, तभी उसने 15 यात्रियों को लेकर जा रहे ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, ऑटो-रिक्शा सड़क के गलत तरफ मुड़कर बस के रास्ते में आ गया था। उस समय बस करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी।

हादसा रात करीब 1 बजे हुआ

नरसारावपेट के डीएसपी एम. हनुमंत राव के मुताबिक, हादसा रात करीब 1 बजे हुआ। तिरुपति जा रही बस एक यात्री को लेने के लिए चिलकलूरिपेट के पास बाईपास पहुंची थी।

यात्री को लेने के बाद बस नरसारावपेट बस स्टैंड की ओर जा रही थी। इसी दौरान कला मंदिर जंक्शन के पास बस की ऑटो-रिक्शा से टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल छह लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमेरिका पर मंडरा रहा है नेपाल जैसी तबाही का खतरा

वॉशिंगटन। नेपाल में आए फ्लैश फ्लड ने जिस तरह अचानक और विनाशकारी तबाही मचाई, उसी तरह की एक बड़ी तबाही पर अमेरिका भी बैठा है। नेपाल की इस त्रासदी के बाद अमेरिका के एक बेहद खतरनाक ज्वालामुखी को लेकर पुरानी चेतावनियां फिर से चर्चा में आ गई हैं। वॉशिंगटन राज्य में मौजूद माउंट रेनियर नामक ज्वालामुखी सिर्फ फटने पर ही खतरा नहीं बनता, बल्कि इसकी बर्फ से ढकी विशाल ढलानों पर भूस्खलन, ग्लेशियर पिघलने, तेज बारिश या एक छोटा भूकंप भी ऐसी विनाशकारी बाढ़ पैदा कर सकता है, जिसे लहार कहा जाता है।

लोकसभा में 2-तिहाई बहुमत के कितने पास NDA

परिसीमन बिल के लिए फिर बैठ सकती है संसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून सत्र स्थगित होने के कई दिनों बाद भी सत्र को औपचारिक रूप खत्म ना किए के बाद इसे लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह के कयास लग रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या केंद्र सरकार परिसीमन विधेयक को पास कराने के लिए संसद की बैठक दोबारा बुलाने की तैयारी में है? सवाल यह भी है कि क्या अब सत्तारूढ़ NDA के पास बिल पास कराने के लिए जरूरी 2-तिहाई बहुमत का समर्थन मिल गया है? इन सवालों के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजीजू के एक बयान ने हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि तकनीकी रूप से सत्र अभी खत्म नहीं हुआ है और सरकार जब चाहे इसकी बैठक दोबारा बुला सकती है। किरन रिजीजू ने यह बातें इंडिया टुडे टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कही हैं। केंद्रीय मंत्री से जब पूछा गया कि क्या सरकार परिसीमन बिल जैसे मुद्दों के लिए कोई विशेष सत्र या दोबारा बैठक बुला सकती है, तो उन्होंने इसे खारिज नहीं किया। किरन रिजीजू ने इंटरव्यू मेंकहा, 'यह पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है। जब भी संसद को बुलाना होता है, सरकार फैसला करती है और राष्ट्रपति से सत्र बुलाने का अनुरोध करती है। जब तक सत्र आधिकारिक रूप से खत्म नहीं हुआ है, सत्र को दोबारा बुलाया जा सकता है।' वहीं जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या उनके बयान का मतलब संभावनाओं को खुला रखना समझा जाए, तो उन्होंने कहा, 'आप इसके दोनों मतलब निकाल सकते हैं। '

168 करोड़ की ड्रग्स जब्त

इम्फाल (एजेंसी)। असम राइफल्स ने राजस्व खुफिया निदेशालय, सिलचर के साथ मिलकर असम के कछार जिले में संयुक्त अभियान चलाकर करीब 168 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह अभियान मंगलवार और बुधवार की रात कछार जिले के लखीपुर के जुज्हांग पहाड़ इलाके में चलाया गया। इस दौरान 5,60,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं, जिनका वजन करीब 60 किलोग्राम है। अभियान के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

अवकाश की सूचना

दैनिक इन्दौर समाचार कार्यालय में रक्षाबंधन पर्व की सभी विज्ञापनदाताओं और संवाददाताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ। हमारे कार्यालय में राखी के अवसर पर अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 30 अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा।

संपादक

विशेष संपादकीय

त्योहारों पर भी बाजार सूने : घटती क्रय शक्ति और आर्थिक मंदी का गहराता संकट

उत्तर भारत के प्रसिद्ध त्योहार रक्षाबंधन, ईद के साथ-साथ राजस्थान के प्रमुख लोक मेलों—बाबा रामदेव जयंती और गोगाजी मेले का समय है। अमूमन इन अवसरों पर बाजारों में खासी चहल-पहल रहती है, लेकिन इस बार का नजारा बिल्कुल अलग है। बाजार सूने पड़े हैं और छोटे दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में खाली बैठकर समय बिताने को मजबूर हैं। दुकानदारों से थोड़ी देर बातचीत करते ही उनका दर्द छलक आता है; कई व्यापारी तो अपना दैनिक खर्च तक नहीं निकाल पा रहे हैं।

एक तरफ बाजारों में ग्राहक नहीं हैं, तो दूसरी तरफ फल-सब्जियों, चीनी, गुड़, ईंट, सीमेंट, लोहे और सोने-चांदी के दामों में आई तेजी ने 'कोढ़ में खाज' का काम किया है। महंगाई का असर आम रिश्तों और सामाजिक परंपराओं पर भी साफ दिखने लगा है। रक्षाबंधन पर पीहर आने वाली बहनों के प्रति आर्थिक तंगी के कारण बदलते नजरिए को आजकल सोशल मीडिया रील्स के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है। व्यंग्यात्मक रील्स में त्योहार के लेन-देन और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के महंगे होने पर चुटकियां ली जा रही हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि लोग अब त्योहारों को भी एक आर्थिक मजबूरी के रूप में देखने लगे हैं। यह एक सर्वमान्य सिद्धांत है कि 'विचार

हमेशा भौतिक परिस्थितियों की उपज होते हैं।' जब भौतिक परिस्थितियां शोषणकारी हों, रोजगार के अवसर सीमित हों और लोगों की आय न बढ़ रही हो, तो उनकी क्रय शक्ति (Purchasing Power) स्वाभाविक रूप से घट जाती है। ऐसी स्थिति में आम नागरिक न्यूनतम जीवन स्तर पर गुजारा करने और त्योहारों पर कम से कम खर्च करने को विवश होता है। यही कारण है कि त्योहारों के मौसम में भी सड़कें सुनसान हैं। (शेष पृष्ठ 9 पर)

सरदूलसिंह

कानपुर में ट्रेनी विमान क्रैश

पायलट और ट्रेनर की मौत:प्लेन में अचानक धमाका हुआ

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में गुरुवार दोपहर एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। हादसे में ट्रेनी पायलट और ट्रेनर की मौत हो गई। हादसा गंगा बैराज के पास नत्था पुरवा गांव में हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एयरक्राफ्ट ट्विन इंजन था। उड़ान के दौरान अचानक विमान में धमाका हुआ। इसके बाद विमान जमीन पर गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। मृतकों की पहचान गुजरात के सचिन भाटिया (ट्रेनर) और कर्नाटक के अभिषेक पुजारी (ट्रेनी) के रूप में हुई है। विमान क्रैश की सूचना के बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई है। किन परिस्थितियों में विमान क्रैश हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि ऊंचाई से गिरने के बाद विमान मलबे में तब्दील हो गया। कॉकपिट के पास एक पायलट की लाश नजर आ रही है। दूसरा पायलट गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा है।